# प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभाने वाला किसान सम्मानित

## डॉ कृष्ण मोहन त्रिपाठी

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ संजीव गुप्ता ने बताया कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभाने वाले कृषक फूल सिंह को आज सम्मानित किया गया है।प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने एवं किसानों को रसायनमुक्त कृषि की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से आज विश्वविद्यालय,में आयोजित कार्यक्रम में मा.मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा जनपद कानपुर देहात के विकासखंड झींझक (ग्राम जसापुर) के प्रगतिशील एवं उन्नत कृषक श्री फूल सिंह को सम्मानित किया गया। कुलपति ने बताया कि श्री फूल सिंह को प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य, नवाचारपूर्ण कृषि पद्धतियों को अपनाने तथा अन्य किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति प्रेरित करने के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। उनके प्रयासों से क्षेत्र में प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूकता बढ़ी है तथा किसानों को कम लागत में अधिक लाभ प्राप्त करने की दिशा में प्रेरणा मिली है।

इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने प्राकृतिक खेती को पर्यावरण संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य संवर्धन तथा किसानों की आय वृद्धि का प्रभावी माध्यम बताते हुए अधिक से अधिक किसानों से इसे अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से कृषि उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ने के साथ-साथ भूमि की उर्वरा शक्ति भी सुरक्षित रहती है।

इससे जनपद के अन्य किसानों को भी प्राकृतिक एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने की प्रेरणा मिलेगी।

PICS: DAINIK JAGRAN I NEXT

सीएसए में प्रदर्शनी देखते सीएम योगी आदित्यनाथ.

## सीएम के भाषण की तीन बड़ी बातें...

- डेवलपमेंट वर्क्स की न तो रफ्तार प्रभावित हो और न ही क्वालिटी
- प्राकृतिक खेती को जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया जाए
- प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए सभी तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं

## नेचुरल फार्मिंग पर करें फोकस

इससे पहले सीएम योगी ने सीएसए यूनिवर्सिटी के कैलाश भवन साभागार में नेचुरल फार्मिंग वर्कशॉप-2026 को संबोधित किया. उन्होंने किसानों, कृषि वैज्ञानिकों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) तथा संबंधित संस्थाओं का आह्वान किया कि प्राकृतिक खेती को जनआंदोलन के रूप में आगे ब्रढाया जाए .गोसंरक्षण को बढ़ावा देने का आह्वाहन किया. रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के प्रयोग के दुष्प्रभावों पर चर्चा की. प्राकृतिक खेती से जुड़े उत्पादों के सर्टिफिकेशन, पैकेजिंग और मार्केटिंग पर विशेष बल देते हुए कहा कि किसानों को उनके उत्पाद का बेहतर मूल्य दिलाने के लिए मजबूत विपणन व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए.

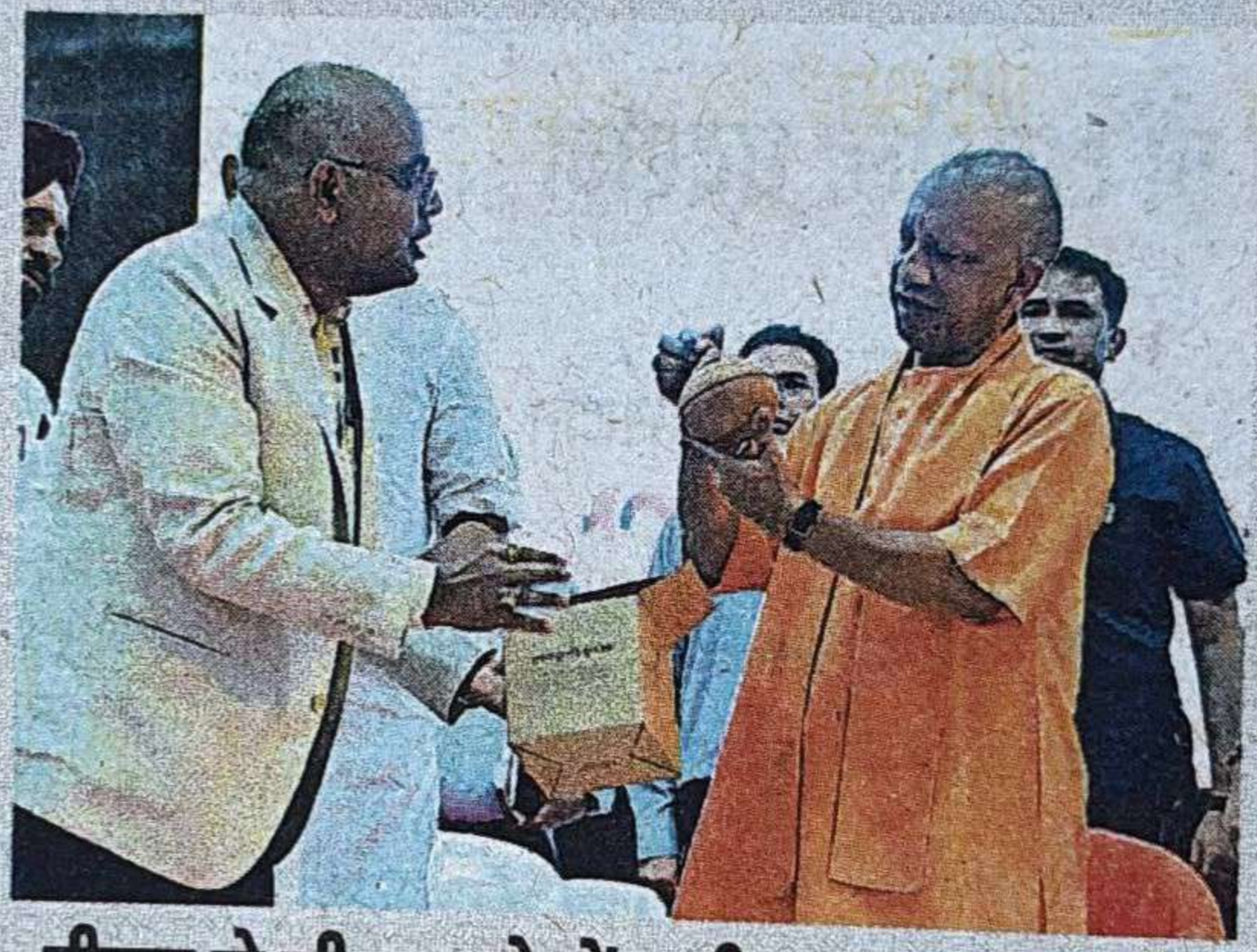

## डीएम ने सीएम को भेंट की खास गुल्लक

डीएम ने सीएम को बिदूर के माटी कला कारीगरों और आईआईटी की बनाई गई खास मिट्टी की गुल्लक भेंट की.

# सत्य का असर समाचार पत्र

Friday 19th June 2026 jksingh.hardoi@gmail.com website: ?????? ???? 9956834016


# प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभाने वाला किसान सम्मानि

**पत्रकार जितेंद्र कुमार सिंह पटेल**
**सत्य का असर समाचार पत्र कानपुर**


चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ संजीव गुप्ता ने बताया कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभाने वाले कृषक फूल सिंह को आज सम्मानित किया गया है।प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने एवं किसानों को रसायनमुक्त कृषि की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से आज विश्वविद्यालय,में आयोजित कार्यक्रम में मा.मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा जनपद कानपुर देहात के विकासखंड झींझक (ग्राम जसापुर) के प्रगतिशील एवं उन्नत कृषक श्री फूल सिंह को सम्मानित किया गया। कुलपति ने बताया कि श्री फूल सिंह को प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य, नवाचारपूर्ण कृषि पद्धतियों को अपनाने तथा अन्य किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति प्रेरित करने के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। उनके प्रयासों से क्षेत्र में प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूकता बढ़ी है तथा किसानों को कम लागत में अधिक लाभ प्राप्त करने की दिशा में प्रेरणा मिली है।इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने प्राकृतिक खेती को पर्यावरण संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य संवर्धन तथा किसानों की आय वृद्धि का प्रभावी माध्यम बताते हुए अधिक से अधिक किसानों से इसे अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से कृषि उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ने के साथ-साथ भूमि की उर्वरा शक्ति भी सुरक्षित रहती है इससे जनपद के अन्य किसानों को भी प्राकृतिक एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने की प्रेरणा मिलेगी।


News Banner Maker

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 17 अंक : 343 कानपुर, शुक्रवार 19 जून 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

# यूपीकैटेट 2026 : परास्नातक प्रवेश परीक्षा में 70 तथा एबीएम में 21 रहे अनुपस्थित

कानपुर 7 उप्र संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा (यूपीकैटेट-2026) के गुरुवार को परास्नातक (पीजी), पी एचडी एवं एबीएम पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए शहर के तीन परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा हुई। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार स्नातकोत्तर एवं पी

एचडी प्रवेश परीक्षा के लिए 785 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इनमें से 715 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 70 अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार द्वितीय पाली में एबीएम प्रवेश परीक्षा हेतु 132 छात्र पंजीकृत थे जिनमें 111 ने प्रवेश परीक्षा दी तथा 21 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। कुलसचिव रेनू सिंह ने सभी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज पनकी रोड कल्याणपुर तथा सरदार पटेल पब्लिक स्कूल जूही बर्रा, को परीक्षा केंद्र बनाया गया। अभ्यर्थियों की पहचान पत्रों की जांच, बायोमेट्रिक सत्यापन और आवश्यक दस्तावेजों के मिलान के बाद ही प्रवेश दिया गया। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि परीक्षा पूरी तरह पारदर्शी और नकलविहीन वातावरण में संपन्न कराई गई। यूपीकैटेट के माध्यम से प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर सहित कृषि, उद्यान, वानिकी, कृषि अभियांत्रिकी, पशु चिकित्सा एवं अन्य कृषि संबंधी पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। परीक्षा परिणाम 30 जून को घोषित करने का लक्ष्य निर्धारित है।

# प्राकृतिक खेती से चमकी किस्मत, मिला सम्मान

जासं, कानपुर : प्राकृतिक खेती अब केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि किसानों की समृद्धि का मजबूत आधार भी बन रही है। चन्द्रशेखर आजाद (सीएसए) कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित प्राकृतिक खेती कार्यक्रम में ऐसे प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने रसायनमुक्त खेती को अपनाकर न केवल आय बढ़ाई, बल्कि हजारों किसानों को भी प्रेरित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन किसानों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया।

## बिना रसायन बेहतर मुनाफे के माडल बने ये किसान

बिठूर के पैगूपुर निवासी आशीष त्रिपाठी पिछले पांच वर्षों से प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। उन्होंने 'नमामि गंगे' परियोजना से प्रशिक्षण प्राप्त कर 'लवकुश फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी' की स्थापना की और अब तक करीब 800 किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ चुके हैं।

शिवराजपुर के राजेश कुमार त्रिपाठी बाजरा और मक्का की प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। वह चार गांवों के 150 किसानों को जैविक खाद तैयार करने और प्राकृतिक खेती की तकनीक का प्रशिक्षण दे रहे हैं। इसके लिए उन्होंने अपने बगीचे में प्रयोगशाला तैयार की है।

झींझक के फूल सिंह यादव करीब दो दशक से प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। सात प्रकार के मोटा अनाज व दलहनी फसलों की खेती करने वाले फूल सिंह स्टार्टअप भी चला रहे हैं। अब तक दो हजार से अधिक किसान इस अभियान से जुड़ चुके हैं।

बिल्हौर के सुनील सिंह मल्टीलेयर फार्मिंग के जरिये एक ही खेत में कई फसलें उगा रहे हैं। मचान विधि से सब्जियों के साथ नीचे हल्दी और गेंदा उगाकर बेहतर आय प्राप्त कर रहे हैं। इससे बेहतर पैदावार संग खेत की सेहत भी अच्छी है।

कल्याणपुर के पैगूपुर निवासी छोटेलाल प्राकृतिक खेती कर मुनाफा कमा रहे हैं। गेहूं, अरहर, परवल, और मूंगफली जैसी फसलें एक साथ उगाते हैं। उनका कहना है कि जीवामृत और घर की चीजों से होने वाली यह खेती सुरक्षित व कम लागत वाली है।

# Farmer exhibition stresses natural farming, sustainable income opportunities in state

TIMES NEWS NETWORK

**Kanpur:** A farmer exhibition at Chandra Shekhar Azad University of Agriculture and Technology showcased natural farming techniques and sustainable agricultural practices aimed at improving farmers' income while reducing dependence on chemical inputs.

The exhibition featured stalls promoting desi and natural farming methods, where farmers were introduced to techniques for enhancing soil fertility and boosting productivity through chemical-free cultivation. Experts highlighted the benefits of liquid bio-fertilisers such as Rhizobium and Azotobacter, which can lower cultivation costs while improving crop yields without harming soil health.

The event also focused on alternative livelihood opportunities, including poultry farming. Farmers received guidance on starting small-scale poultry units, selecting suitable breeds and managing bird health effectively.

Another attraction was the organic product 'Griffin', which, when mixed with compost, helps improve soil health by balancing pH levels and strengthening plant root systems.

The stall of the Namami Gange Paramparagat Krishi Vikas Yojana drew significant interest, distributing literature on natural farming practices and promoting self-reliance through the use of locally available household resources.

Meanwhile, the district horticulture department encouraged farmers to adopt garlic cultivation as a profitable cash crop, offering practical advice on seed selection, cultivation techniques and post-harvest management.

# प्रदर्शनी में किसानों ने समझा-कैसे जुड़ सकते प्राकृतिक खेती से

**जागरण संवाददाता, कानपुर :** प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में 'प्राकृतिक खेती कार्यशाला-2026' में लगी किसान प्रदर्शनी में मुख्यमंत्री व कृषिमंत्री ने कृषि की आधुनिक और पारंपरिक तकनीक देखीं। देसी और प्राकृतिक थीम पर तैयार किए गए स्टालों पर आए किसानों का पूरा ध्यान इस बात को समझने पर था कि कैसे रासायनिक खादों का प्रयोग बंद कर प्राकृतिक खेती की तरफ बढ़ें।

**बोतल बंद 'लिक्विड' से घटेगी यूरिया-डीएपी की निर्भरता :** प्रदर्शनी में किसानों की पसंदीदा संस्था 'कृभको' का स्टाल प्रमुख आकर्षण रहा। ज्यादातर किसान अब तक केवल बोरी में आने वाले यूरिया या डीएपी खाद का ही नाम जानते थे, लेकिन यहां खेती का खर्च घटाने वाले नए 'लिक्विड' (तरल जैव उर्वरक जैसे राइजोबियम, एजोटोबैक्टर और पीएसबी) के बारे में बताया गया।

**खेती के साथ 'मुर्गीपालन' खोल रहा समृद्धि के नए रास्ते :** किसानों की आमदनी बढ़ाने के मकसद से प्रदेश सरकार के पशुपालन विभाग ने "मुर्गीपालन से समृद्धि तक" थीम पर स्टाल लगाया था। यहां मौजूद डाक्टरों ने किसानों को बताया कि वे अपने घरों के पीछे खाली पड़ी थोड़ी सी जगह में पोल्ट्री फार्मिंग कैसे शुरू कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी में लगे विकल्प स्टाल के संस्थापक अनंत चतुर्वेदी (बाएं से दूसरे) व सह-संस्थापक ऋचा चतुर्वेदी (बाएं) से उत्पादों की जानकारी ली● सूचना विभाग

**'ग्रिफिन' तकनीक से सुधरेगा मिट्टी का पीएच लेवल :** खेतों की मिट्टी को दोबारा सेहतमंद बनाने के लिए 'आइपीएल बायोलाजिकल्स' के स्टाल पर किसानों को व्यावहारिक तरीका सीखने को मिला। यहां 'ग्रिफिन' नाम के जैविक उत्पाद के बारे में बताया गया। विशेषज्ञ ने किसानों को समझाया कि खेत की अंतिम जुताई में इस उत्पाद को गोबर की खाद या वर्मीकम्पोस्ट (केंचुआ खाद) में मिलाकर जमीन में डाल दिया जाए तो ये मिट्टी का पीएच (पोटेंशियल आफ हाइड्रोजन) स्तर संतुलित कर देता है।

**गंगा तटीय इलाकों के लिए संजीवनी बनी 'नमामि गंगे' योजना :** कृषि विभाग और 'श्री श्री इंस्टीट्यूट आफ एग्रीकल्चरल साइंस' के साझा सहयोग से लगे 'नमामि गंगे परंपरागत कृषि विकास योजना' के स्टाल पर किसानों की भीड़ रही। यहां किसानों को प्राकृतिक खेती की बारीकियां समझाने वाली एक 'मार्गदर्शिका' देकर बताया जा रहा था कि किसान अपने घर के गाय, बैल, गोबर और गोमूत्र के बल पर कैसे शानदार खेती कर सकते हैं।

## मुख्यमंत्री ने देखे स्टार्टअप के स्टाल, खूब की सराहना

विश्वविद्यालय और एग्री-स्टार्टअप 'विकल्प' द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टाल ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने स्टाल का अवलोकन कर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए तैयार किए गए समेकित माडल की सराहना की। कुलपति डा. संजीव गुप्ता के नेतृत्व में तैयार इस माडल में गांव स्तर पर प्राकृतिक खेती क्लस्टर विकसित करने, चैंपियन किसानों को तैयार करने की योजना प्रस्तुत की गई। प्रदर्शनी में पर्यावरण-अनुकूल कृषि यंत्रों का भी प्रदर्शन किया गया, जिनमें बैटरी संचालित ई-ब्रशकटर विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। यह यंत्र फसल कटाई और पराली प्रबंधन में उपयोगी है। विश्वविद्यालय की परियोजनाओं के तहत करीब 500 किसान इसे अपनाकर पराली प्रबंधन कर रहे हैं। विकल्प के संस्थापक अनंत चतुर्वेदी, सह-संस्थापक ऋचा चतुर्वेदी और गौरी चतुर्वेदी ने प्राकृतिक खेती को तकनीक, उद्यमिता और बाजार से जोड़ने वाले समग्र ग्रामीण विकास माडल के रूप में प्रस्तुत किया।

# यूपीकैटेट-2026 पीजी व पीएचडी प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न, 91 अभ्यर्थी रहे अनुपस्थित

दि ग्राम टुडे,कानपुर।

उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा (यूपीकैटेट–2026) के अंतर्गत बृहस्पतिवार को परास्नातक (पीजी), पीएचडी एवं एबीएम पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु कानपुर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी वातावरण में संपन्न हुई। परीक्षा में कुल 91 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे, जबकि अधिकांश परीक्षार्थियों ने परीक्षा में सहभागिता की।

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार स्नातकोत्तर एवं पीएचडी पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा के लिए कुल 785 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इनमें से 715 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 70 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। वहीं द्वितीय पाली में आयोजित एबीएम प्रवेश परीक्षा के लिए 132 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें 111 ने परीक्षा दी तथा 21 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

परीक्षा के सफल संचालन के लिए सुरक्षा एवं निगरानी के व्यापक इंतजाम किए गए थे। कुलसचिव रेनू सिंह ने सभी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कानपुर में जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज, पनकी रोड, कल्याणपुर तथा सरदार पटेल पब्लिक स्कूल, जूही बर्रा को परीक्षा केंद्र बनाया गया था। परीक्षा शुरू होने से पूर्व अभ्यर्थियों की पहचान पत्रों की गहन जांच, बायोमेट्रिक सत्यापन एवं आवश्यक दस्तावेजों के मिलान के बाद ही प्रवेश दिया गया। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की गई तथा नकल रोकने के लिए उड़न दस्तों को सक्रिय रखा गया।

विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि परीक्षा पूरी तरह नकलविहीन, पारदर्शी और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराई गई। उन्होंने बताया कि यूपीकैटेट के माध्यम से प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर, कृषि, उद्यान, वानिकी, कृषि अभियांत्रिकी, पशु चिकित्सा एवं अन्य कृषि संबंधी पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिए जाएंगे।

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार यूपीकैटेट–2026 का परिणाम 30 जून को घोषित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके पश्चात ऑनलाइन काउंसिलिंग प्रक्रिया शुरू होगी, जिसके आधार पर विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों एवं संबद्ध महाविद्यालयों में प्रवेश की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

# पीएचडी, पीजी का पेपर कठिन एबीएम का रहा आसान

**यूपी कैटेट 2026**

**कानपुर, वरिष्ठ संवाददा।** उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा (यूपी कैटेट 2026) में बृहस्पतिवार को परास्नातक (पीजी), पीएचडी एवं एबीएम पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नगर के तीन केंद्रों पर परीक्षा हुई। पीजी और पीएचडी का पेपर कठिन रहा। एबीएम का पेपर आसान रहा। इसके माध्यम से प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों में प्रवेश होंगे।

स्नातकोत्तर एवं पीएचडी प्रवेश परीक्षा के लिए 785 अभ्यर्थी पंजीकृत थे जिसमें 70 अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली में एबीएम के लिए 132 छात्र पंजीकृत थे जिनमें 21 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। कुलसचिव रेनू सिंह ने सभी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। नगर में जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज कल्याणपुर और सरदार पटेल पब्लिक स्कूल जूही बर्रा, को परीक्षा केंद्र बनाया गया।

अभ्यर्थियों की पहचान पत्रों की जांच, बायोमीट्रिक सत्यापन और आवश्यक दस्तावेजों के मिलान के बाद ही प्रवेश दिया गया। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई। इसके साथ ही केंद्रों के बाहर भारी पुलिस बल की तैनाती भी की जाएगी। प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि परीक्षा के दौरान कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। परीक्षा परिणाम 30 जून को घोषित होने की संभावना है।

# कीटनाशकों के बढ़ते प्रयोग ने भूमि की सेहत बिगाड़ी

- कृषि मंत्री बोले- हरित क्रांति के बाद खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि
- खाद्यान्न उत्पादन बढ़कर 737 लाख मीट्रिक टन तक पहुंचा

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि हरित क्रांति के बाद देश और उत्तर प्रदेश में खाद्यान्न उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, लेकिन इसके साथ ही रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के बढ़ते प्रयोग ने कृषि भूमि की सेहत पर गंभीर असर डाला है। अब समय आ गया है कि किसान प्राकृतिक खेती की ओर लौटें, जिससे मिट्टी की उर्वरता, पर्यावरण और लोगों का स्वास्थ्य सुरक्षित रह सके।

कैलाश भवन में कृषि मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज देश का सबसे बड़ा खाद्यान्न उत्पादक राज्य बन चुका है। प्रदेश का कुल खाद्यान्न उत्पादन 573 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 737 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया है। गेहूं, धान, दलहन और तिलहन उत्पादन में भी रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है। उत्पादन बढ़ाने की दौड़ में खेतों में रासायनिक उर्वरकों, यूरिया, डीएपी और कीटनाशकों का अत्यधिक प्रयोग हुआ। इसका परिणाम यह हुआ कि मिट्टी में कार्बनिक तत्वों की मात्रा लगातार घटती चली गई। कभी मिट्टी में जैविक कार्बन का स्तर बेहतर था, लेकिन अब कई क्षेत्रों में यह चिंताजनक स्थिति तक पहुंच गया है।

कृषक बीमार दुर्घटना का चेक देते सीएम योगी आदित्यनाथ। • हिन्दुस्तान

# पीएचडी, पीजी का पेपर कठिन, एमबीए का रहा आसान

- एमबीए में 21, पीजी प्रवेश परीक्षा में 70 अभ्यर्थी रहे अनुपस्थित
- तीन केंद्रों पर हुई यूपी-कैटेट, 30 जून को आ सकता परिणाम

**जागरण संवाददाता, कानपुर:** उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा (यूपी कैटेट-2026) बृहस्पतिवार को शहर के तीन केंद्रों पर हुई। केंद्रों से परीक्षा देकर निकले अभ्यर्थियों के मुताबिक, पीजी और पीएचडी का पेपर थोड़ा कठिन रहा, जबकि एमबीए का पेपर आसान रहा। यूपी कैटेट के जरिये ही चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) सहित प्रदेश के पांचों कृषि विश्वविद्यालय में प्रवेश होंगे।

स्नातकोत्तर एवं पीएचडी प्रवेश परीक्षा पहली पाली में दो परीक्षा केंद्रों पर सुबह नौ से 12 बजे तक हुई। इसमें कुल 785 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिसमें 70 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहें। वहीं, दूसरी पाली में एमबीए की प्रवेश परीक्षा एक केंद्र पर दोपहर तीन से पांच बजे तक हुई। इसमें कुल 132 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिसमें 21 ने परीक्षा छोड़ दी। अभ्यर्थियों को पहचान पत्रों की जांच, बायोमीट्रिक सत्यापन और आवश्यक दस्तावेजों के मिलान के बाद ही प्रवेश दिया गया। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई। सीएसए के मीडिया प्रभारी डा. खलील खान ने बताया कि परीक्षा पूरी तरह पारदर्शी और नकलविहीन तरीके से संपन्न कराई गई। यूपीकैटेट के माध्यम से प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर सहित कृषि, उद्यान, वानिकी, कृषि अभियांत्रिकी, पशु चिकित्सा एवं अन्य कृषि संबंधी पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। परीक्षा परिणाम 30 जून को घोषित किया जा सकता है।

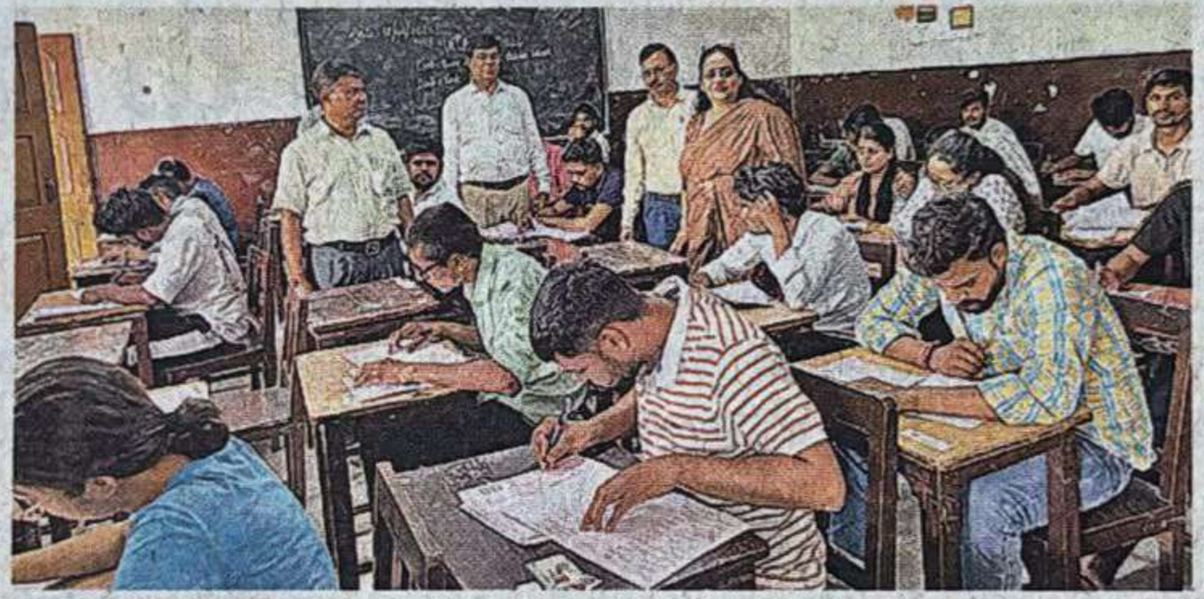

यूपीकैटेट परीक्षा के दौरान केंद्र का निरीक्षण करते सीएसए के अधिकारी● सीएसए

# Award-winning farmer backs natural farming

TIMES NEWS NETWORK

**Kanpur:** The country's renowned progressive farmer and Padma Shri **Bharat Bhushan Tyagi** participated in the natural farming programme organized at CSA University.

In his address, while praising this campaign of the Yogi govt, he said that this campaign of natural farming is a historic beginning. The country's farmers will fully support it with body, mind and money to make it successful. From the stage, he gave positive suggestions before govt to make farming stronger and more effective.

Giving the first suggestion, he said that the roadmap to implement the excellent agricultural production policies of the UP govt on the ground should be further strengthened. Whatever excellent research or studies are being done in scientific laboratories, their benefit should reach as much as possible with govt's help. Those excellent discoveries should be taken directly to the fields of common farmers with a scientific perspective, so that ordinary farmers too can easily understand these efforts of the government and apply them in their work.

As the second most important issue, he spoke about establishing farmer organizations at the grassroots level. He believes that to take govt schemes to every farmer, there should be strong farmer producer organizations in every district of the state. When farmers have their own strong and active organizations at the district level, only then will they be able to unite and get the right price for their crop and find a better market.

In the third suggestion, he spoke about running awareness campaigns on the ground. He said that to make natural farming a movement, programmes should be organized in every village and rural youth should be prepared as 'Krishi Prabodhak', that is, trainers. These youth Prabodhaks, along with being aware themselves, will also motivate other fellow farmers around them to adopt natural farming.

## CM honours farmers doing natural farming

**Kanpur:** Chief Minister Yogi Adityanath acknowledged farmers who have significantly contributed to natural farming. The CM also distributed cheques and mini-kits to beneficiaries of several government initiatives.

Farmers recognized for their excellence in natural farming include: Chhotelal from Paigupur, Rajesh Kumar Tripathi from Shivrajpur, Ashish Kumar from Kalyanpur, Sunil Singh Katiyar from Bilhaur and Phool Singh Yadav from Jhinjhak. Beneficiaries who received cheques and mini-kits under several schemes include: Dinesh Kumar, who received a Rs 5 lakh cheque under the Mukhyamantri Krishak Durghatna Kalyan Yojana, Uma Singh, who also received a Rs 5 lakh cheque under the Mukhyamantri Krishak Durghatna Kalyan Yojana, Vipin Shukla, who received a Shree Anna mini-kit,and Ashish Kumar, who also received a Shree Anna mini-kit. TNN

# 'ग्रिफिन' तकनीक से सुधरेगा मिट्टी का पीएच लेवल

खेतों की मिट्टी को दोबारा सेहतमंद बनाने के लिए 'आईपीएल बायोलाजिकल्स' के स्टाल पर किसानों को व्यावहारिक तरीका सीखने को मिला. यहां 'ग्रिफिन' नाम के बॉयलॉजिकल प्रोडक्ट के बारे में बताया गया. एक्सपर्ट्स ने किसानों को समझाया कि खेत की अंतिम जुताई करते समय अगर इस उत्पाद को सड़ी हुई गोबर की खाद या वर्मीकम्पोस्ट (केंचुआ खाद) में मिलाकर जमीन में डाल दिया जाए तो ये मिट्टी का पीएच (पोटेंशियल आफ हाइड्रोजन) लेवल बैलेंस कर देता है. इससे पौधों की जड़ें गहरी होती हैं, कल्ले अच्छे निकलते हैं और रासायनिक दवाओं के छिड़काव से मुक्ति मिलती है.

# वैज्ञानिक नजरिए के संग किसानों तक पहुंचें शोध

**कानपुर, प्रमुख संवाददाता।** सीएसए यूनिवर्सिटी में आयोजित प्राकृतिक खेती के कार्यक्रम में देश के जाने-माने प्रगतिशील किसान पद्मश्री भारत भूषण त्यागी भी शामिल हुए। उनके मुताबिक प्राकृतिक खेती की यह मुहिम एक ऐतिहासिक शुरुआत है। उन्होंने मंच से सरकार के सामने खेती को और मजबूत व असरदार बनाने के सकारात्मक सुझाव भी रखे।

पहला सुझाव देते हुए कहा कि वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं में जो भी शोध कर रहे हैं, सरकार की मदद से उनका लाभ ज्यादा से ज्यादा मिले। उन बेहतरीन खोजों को एक वैज्ञानिक नजरिए के साथ सीधे किसानों के खेतों तक पहुंचाया जाए। दूसरे सबसे अहम मुद्दे के रूप में उन्होंने जमीनी स्तर पर किसान संगठनों को खड़ा करने की बात कही। उनका मानना है कि सरकारी योजनाओं को हर किसान तक पहुंचाने के लिए प्रदेश के हर जिले में मजबूत 'कृषक उत्पादक संगठन' होने चाहिए। तीसरे सुझाव में उन्होंने जमीन पर जागरूकता अभियान चलाने की बात कही। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती को आंदोलन बनाने के लिए गांव-गांव में कार्यक्रम किए जाएं और युवाओं को 'कृषि प्रबोधक' के रूप में तैयार करें।

# रहस्य संदेश

पृष्ठ : 4 मूल्य : 2.00 रुपये मात्र

एटा कासगंज अलीगढ़ लखनऊ गाजि

19 : 06 : 2026 | वर्ष 20 अंक 159 | RNI-No. UP


## यूपीकैटेट 2026 : परास्नातक प्रवेश परीक्षा में 70 तथा एबीएम में 21 रहे अनुपस्थित

कानपुर (अनवर अशरफ )उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा (यूपीकैटेट-2026) के तहत बृहस्पतिवार को परास्नातक (पीजी), पी एचडी एवं एबीएम पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए कानपुर के तीन परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा हुई।विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार स्नातकोत्तर एवं पी एचडी प्रवेश परीक्षा के लिए 785 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इनमें से 715 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 70 अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार द्वितीय पाली में एबीएम प्रवेश परीक्षा हेतु 132 छात्र पंजीकृत थे जिनमें 111 ने प्रवेश परीक्षा दी तथा 21 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।परीक्षा के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे। कुलसचिव रेनू सिंह ने सभी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कानपुर में जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज पनकी रोड कल्याणपुर तथा सरदार पटेल पब्लिक स्कूल जूही बर्रा, को परीक्षा केंद्र बनाया गया। परीक्षा शुरू होने से पहले अभ्यर्थियों की पहचान पत्रों की जांच, बायोमेट्रिक सत्यापन और आवश्यक दस्तावेजों के मिलान के बाद ही प्रवेश दिया गया। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई, जबकि नकल रोकने के लिए उड़न दस्ते सक्रिय रहे। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि परीक्षा पूरी तरह पारदर्शी और नकलविहीन वातावरण में संपन्न कराई गई। यूपीकैटेट के माध्यम से प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर सहित कृषि, उद्यान, वानिकी, कृषि अभियांत्रिकी, पशु चिकित्सा एवं अन्य कृषि संबंधी पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार परीक्षा परिणाम 30 जून को घोषित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके बाद ऑनलाइन काउंसिलिंग प्रक्रिया शुरू होगी, जिसके आधार पर विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों एवं संबद्ध महाविद्यालयों में प्रवेश दिए जाएंगे

# रहस्य संदेश

पृष्ठ : 4 मूल्य : 2.00 रुपये मात्र

एटा कासगंज अलीगढ़ लखनऊ गाजि

19 : 06 : 2026 | वर्ष 20 अंक 159 | RNI-No. UP


## यूपीकैटेट 2026 : परास्नातक प्रवेश परीक्षा में 70 तथा एबीएम में 21 रहे अनुपस्थित

कानपुर (अनवर अशरफ )उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा (यूपीकैटेट-2026) के तहत बृहस्पतिवार को परास्नातक (पीजी), पी एचडी एवं एबीएम पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए कानपुर के तीन परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा हुई।विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार स्नातकोत्तर एवं पी एचडी प्रवेश परीक्षा के लिए 785 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इनमें से 715 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 70 अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार द्वितीय पाली में एबीएम प्रवेश परीक्षा हेतु 132 छात्र पंजीकृत थे जिनमें 111 ने प्रवेश परीक्षा दी तथा 21 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।परीक्षा के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे। कुलसचिव रेनू सिंह ने सभी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कानपुर में जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज पनकी रोड कल्याणपुर तथा सरदार पटेल पब्लिक स्कूल जूही बर्रा, को परीक्षा केंद्र बनाया गया। परीक्षा शुरू होने से पहले अभ्यर्थियों की पहचान पत्रों की जांच, बायोमेट्रिक सत्यापन और आवश्यक दस्तावेजों के मिलान के बाद ही प्रवेश दिया गया। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई, जबकि नकल रोकने के लिए उड़न दस्ते सक्रिय रहे। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि परीक्षा पूरी तरह पारदर्शी और नकलविहीन वातावरण में संपन्न कराई गई। यूपीकैटेट के माध्यम से प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर सहित कृषि, उद्यान, वानिकी, कृषि अभियांत्रिकी, पशु चिकित्सा एवं अन्य कृषि संबंधी पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार परीक्षा परिणाम 30 जून को घोषित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके बाद ऑनलाइन काउंसिलिंग प्रक्रिया शुरू होगी, जिसके आधार पर विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों एवं संबद्ध महाविद्यालयों में प्रवेश दिए जाएंगे

# प्राकृतिक खेती से चमकाई किस्मत, मिला सम्मान

प्राकृतिक खेती अब केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि किसानों की समृद्धि का मजबूत आधार भी बन रही है. चन्द्रशेखर आजाद (सीएसए) कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित प्राकृतिक खेती कार्यक्रम में ऐसे प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने रसायनमुक्त खेती को अपनाकर न केवल आय बढ़ाई, बल्कि हजारों किसानों को भी प्रेरित किया. सीएम योगी आदित्यनाथ ने इन किसानों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया. उन्होंने किसानों से कहा कि जब अन्नदाता समृद्ध होगा, तभी हर चेहरे पर खुशहाली दिखाई देगी.

# छाया रागी का पास्ता-मैक्रोनी, विकल्प को सराहा

**कानपुर, प्रमुख संवाददाता।** सीएम योगी आदित्यनाथ ने कार्यशाला में जाने से पहले मैदान में लगाई गई प्राकृतिक खेती की प्रदर्शनी का जायजा लिया। प्रदर्शनी में लखनऊ की ऋषि आरोग्यम मिलेट्स स्टोर के रागी से बनी पास्ता और मैक्रोनी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। प्रदर्शनी में लगे स्टॉल पूरी तरह से देसी और प्राकृतिक थीम पर आधारित दिखे। किसानों का फोकस इस बात पर रहा कि कैसे प्राकृतिक खेती को अपनाकर मिट्टी की ताकत वापस ला सकते हैं और आमदनी बढ़ा सकते हैं।

रमईपुर से आए किसान जय नारायण सिंह ने बताया कि प्राकृतिक खेती की नई तकनीक पता चली है, इसका इस्तेमाल करके मिट्टी की उर्वरक क्षमता को बढ़ाएंगे। साथ ही, रसायन मुक्त खेती करेंगे। वहीं, बिल्हौर के प्रगतिशील किसान मंगल सिंह कटियार ने बताया कि स्टॉल्स पर प्राकृतिक कीटनाशक बनाने के तरीके सिखाए गए। प्रदर्शनी में किसानों की जानी-मानी संस्था 'कृभको' का स्टॉल लगा है। अमूमन किसान सिर्फ बोरी वाले यूरिया या डीएपी के बारे में जानते हैं, लेकिन इस स्टॉल पर खेती की लागत घटाने वाले नए 'लिक्विड' यानी तरल जैव उर्वरक दिखाए गए। वहीं कानपुर गोशाला सोसाइटी के सुरेश गुप्ता ने बताया कि सीएम ने कानपुर गोशाला सोसाइटी के स्टॉल को भी देखा।

सीएसए में लगे स्टॉल पर जानकारी लेते सीएम योगी आदित्यनाथ।

## प्राकृतिक खेती का समेकित मॉडल पेश

एग्री-स्टार्टअप विकल्प एवं विश्वविद्यालय द्वारा लगाए गए स्टॉल की सीएम व कृषि मंत्री ने सराहना की। प्राकृतिक खेती का समेकित मॉडल प्रस्तुत किया गया। कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता के नेतृत्व में प्रस्तावित इस पहल के अंतर्गत गांव स्तर पर प्राकृतिक खेती क्लस्टरों का विकास, चैंपियन किसानों का विकास, शोधार्थियों की भागीदारी तथा किसानों के ब्रांड एवं बाजार विकसित करने की योजना प्रदर्शित की गई। बैटरी संचालित ई-ब्रशकटर आकर्षण का केंद्र रहा। विकल्प संस्थापक अनंत चतुर्वेदी ने इनके बारे में जानकारी दी।